

असाधारण

**EXTRAORDINARY** 

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

#### PUBLISHED BY AUTHORITY

ਸ਼ਂ. 108] No.108] नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 24, 2015/चैत्र 3, 1937

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 24, 2015/CHAITRA 3, 1937

# भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 24 मार्च, 2015

# भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

(शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2015

- सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ/जी.एन./2014-2015/28/542.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतदद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:-
- 1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2015 कहा जा सकेगा।
- 2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 3. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 में -
  - (I) विनियम 5 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

## "असूचीबद्धता का प्रस्ताव

5क. (1) इन विनियमों में दी हुई किसी बात के होते हुए भी, उस दशा में जब अर्जनकर्ता विनियम 3, 4 या 5 के अनुसार लक्षित कंपनी के शेयरों को अर्जित करने के लिए खुले प्रस्ताव की सार्वजनिक घोषणा

1375 GI/2015 (1)

करता है, तब वह कंपनी को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009 के उपबंधों (प्रावधानों) के अनुसार असूचीबद्ध कर सकेगा :

परंतु यह कि अर्जनकर्ता ने विस्तृत सार्वजनिक विवरण देते समय इस प्रकार असूचीबद्ध करने के अपने आशय की घोषणा पहले ही कर दी हो ।

- (2) जहाँ उप-विनियम (1) के अधीन लाया गया प्रस्ताव, -
  - (i) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इिक्वटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009 के विनियम 8 के उप-विनियम (1) के खंड (ख) के अनुसार शेयरधारकों के पूर्व अनुमोदन की अप्राप्ति के कारण; या
  - (ii) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009 के विनियम 17 के अनुसार ; या
  - (iii) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इिक्वटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009 के विनियम 16 के उप-विनियम (1) के अनुसार बही-निर्माण प्रक्रिया द्वारा अवधारित की गयी निर्धारित-कीमत को अर्जनकर्ता द्वारा नामंजूर किये जाने के कारण,

सफल नहीं होता है, तो वहाँ अर्जनकर्ता ऐसी असफलता के संबंध में दो कार्य-दिवसों के भीतर उन सभी समाचारपत्रों में घोषणा करेगा, जिनमें विस्तृत सार्वजनिक विवरण दिये गये थे, और इन विनियमों के सभी लागू उपबंधों का अनुपालन करेगा।

(3) उप-विनियम (1) के अधीन लाये गये असूचीबद्धता के प्रस्ताव के असफल होने की दशा में, अर्जनकर्ता, खुले प्रस्ताव के प्रबंधक के माध्यम से, उप-विनियम (2) के अधीन घोषणा की तारीख से पाँच कार्य-दिवसों के भीतर, बोर्ड के पास, विनियम 16 के उप-विनियम (1) में यथा विनिर्दिष्ट प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रस्ताव पत्र दाखिल करेगा और इन विनियमों के अन्य सभी लागू उपबंधों का अनुपालन करेगा:

परंतु यह कि प्रस्ताव की कीमत, शेयरधारकों को प्रतिफल के भुगतान की निर्धारित तारीख और शेयरधारकों को प्रतिफल के भुगतान की वास्तविक तारीख के बीच की अविध हेतु, दस प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर अवधारित राशि के बराबर की रकम तक बढ़ जायेगी।

स्पष्टीकरणः इस उप-विनियम के प्रयोजनार्थ, निर्धारित तारीख वह तारीख होगी जिस तारीख को प्रतिफल का भुगतान शेयरधारकों को इन विनियमों में विनिर्दिष्ट समय-सीमाओं के अनुसार किया जाना चाहिए था।

- (4) जहाँ प्रतियोगी प्रस्ताव विनियम 20 के उप-विनियम (1) के अनुसार लाया जाता है, तो वहाँ,–
- (क) अर्जनकर्ता कंपनी को असूचीबद्ध करने का हकदार नहीं होगा;
- (ख) अर्जनकर्ता प्रतियोगी प्रस्ताव की वजह से हुए विलंब के कारण शेयरधारकों को ब्याज अदा करने का दायी नहीं होगा;
- (ग) अर्जनकर्ता इन विनियमों के सभी लागू उपबंधों का अनुपालन करेगा और इस संबंध में, विनियम 20 के उप-विनियम (1) के अनुसार की गयी सार्वजनिक घोषणा की तारीख से दो कार्य-दिवसों के भीतर, उन सभी समाचारपत्रों में घोषणा करेगा जिनमें विस्तृत सार्वजनिक विवरण दिया गया था।
- (5) जिन शेयरधारकों ने उप-विनियम (1) के अधीन लाये गये प्रस्ताव की स्वीकृति में शेयर दिये हों, वे शेयरधारक इस प्रकार दिये गये शेयरों को, उप-विनियम (2) के अधीन घोषणा की तारीख से 10 कार्य-दिवसों के भीतर, वापस लेने के हकदार होंगे।

- (6) जिन शेयरधारकों ने उप-विनियम (1) के अधीन लाये गये प्रस्ताव की स्वीकृति में अपने शेयर न दिये हों, वे शेयरधारक इन विनियमों के अधीन लाये गये प्रस्ताव की स्वीकृति में अपने शेयर देने के हकदार होंगे।"
- (II) विनियम 18 के उप-विनियम (6) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा :

  "(6क) अर्जनकर्ता शेयरधारकों द्वारा शेयरों को दिये जाने (को निविदत्त किये जाने) को तथा उनके निपटान
  को सुकर बनायेगा, बोर्ड द्वारा यथा विनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज की व्यवस्था के माध्यम से ।"
- (III) विनियम 22 के उप-विनियम (1) में, पहले परंतुक के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

"परंतु यह और कि विनियम 5क के अधीन लाये गये असूचीबद्धता के प्रस्ताव के मामले में, अर्जनकर्ता, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इिक्क्टी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009 के विनियम 18 के उप-विनियम (1) के अनुसार किये गये असूचीबद्धता संबंधी प्रस्ताव की सफलता के संबंध में सार्वजनिक घोषणा करने के पश्चात् ही, शेयरों के अर्जन, जिससे विनियम 3, 4 या 5 के अनुसार शेयर अर्जित करने के लिए प्रस्ताव लाने की बाध्यता आकृष्ट होती हो, को पूरा करेगा।"

यू.के. सिन्हा, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/असा./69-जैडबी/351/14]

## पाद टिप्पण :

- 1. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011, सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2011-12/24/30181, 23 सितम्बर 2011 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।
- 2. मूल विनियम तत्पश्चात्
  - क. 26 मार्च 2013 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2013, सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2012-13/36/7368, द्वारा
  - ख. 23 मई 2014 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (फीस का संदाय) (संशोधन) विनियम, 2014, अधिसूचना सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2014-15/03/1089, द्वारा

संशोधित हुए थे।

# SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Mumbai, the 24th March, 2015

Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers)

(Amendment) Regulations, 2015

- **No. LAD-NRO/GN/2014-15/28/542.**—In exercise of the powers conferred under section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, namely:—
- 1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2015.

- 2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 3. In the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011—
  - (I) After regulation 5, the following regulation shall be inserted, namely:-

### Delisting offer.

"5A. (1) Notwithstanding anything contained in these regulations, in the event the acquirer makes a public announcement of an open offer for acquiring shares of a target company in terms of regulations 3, 4 or 5, he may delist the company in accordance with provisions of the Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2009:

Provided that the acquirer shall have declared upfront his intention to so delist at the time of making the detailed public statement .

- (II) Where an offer made under sub-regulation (1) is not successful,-
  - (i) on account of non-receipt of prior approval of shareholders in terms of clause
     (b) of sub-regulation (1) of regulation 8 of Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2009; or
  - (ii) in terms of regulation 17 of Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2009; or
  - (iii) on account of the acquirer rejecting the discovered price determined by the book building process in terms of sub-regulation (1) of regulation 16 of Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2009,

the acquirer shall make an announcement within two working days in respect of such failure in all the newspapers in which the detailed public statement was made and shall comply with all applicable provisions of these regulations.

(III) In the event of the failure of the delisting offer made under sub-regulation (1), the acquirer, through the manager to the open offer, shall within five working days from the date of the announcement under sub-regulation (2), file with the Board, a draft of the letter of offer as specified in sub-regulation (1) of regulation 16 and shall comply with all other applicable provisions of these regulations:

Provided that the offer price shall stand enhanced by an amount equal to a sum determined at the rate of ten per cent per annum for the period between the Scheduled date of payment of consideration to the shareholders and the actual date of payment of consideration to the shareholders.

Explanation: For the purpose of this sub-regulation, Scheduled date shall be the date on which the payment of consideration ought to have been made to the shareholders in terms of the timelines in these regulations.

- (IV) Where a competing offer is made in terms of sub-regulation (1) of regulation 20,-
- (a) the acquirer shall not be entitled to delist the company;
- (b) the acquirer shall not be liable to pay interest to the shareholders on account of delay due to competing offer;
- (c) the acquirer shall comply with all the applicable provisions of these regulations and make an announcement in this regard, within two working days from the date of public announcement made in terms of sub-regulation (1) of regulation 20, in all the newspapers in which the detailed public statement was made.

- (5) Shareholders who have tendered shares in acceptance of the offer made under sub-regulation (1), shall be entitled to withdraw such shares tendered, within 10 working days from the date of the announcement under sub-regulation (2).
- (6) Shareholders who have not tendered their shares in acceptance of the offer made under sub-regulation (1) shall be entitled to tender their shares in acceptance of the offer made under these regulations."
- (II) After sub-regulation (6) of regulation 18, the following sub-regulation shall be inserted:
  - "(6A) The acquirer shall facilitate tendering of shares by the shareholders and settlement of the same, through the stock exchange mechanism as specified by the Board."
- (III) In sub-regulation (1) of regulation 22, after the first proviso, the following proviso shall be inserted, namely:-

"Provided further that in case of a delisting offer made under regulation 5A, the acquirer shall complete the acquisition of shares attracting the obligation to make an offer for acquiring shares in terms of regulations 3, 4 or 5, only after making the public announcement regarding the success of the delisting proposal made in terms of sub-regulation (1) regulation 18 of Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2009."

U. K. SINHA, Chairman

[ADVT.-III/4/Exty./69-ZB/351/14]

#### Footnote:

- 1. The SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 were published in the Gazette of India on 23<sup>rd</sup> September, 2011 vide No. LAD-NRO/GN/2011-12/24/30181.
- 2. The Principal Regulations were subsequently amended on:
  - a. March 26, 2013 by the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2013 vide F. No. LAD-NRO/GN/2012-13/36/7368.
  - b. May 23, 2014 by the Securities and Exchange Board of India (Payment of Fees) (Amendment) Regulations, 2014 vide Notification No. LAD-NRO/GN/2014-15/03/1089